

भारत सरकार  
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा  
अंतरांकित प्रश्न संख्या 1192  
उत्तर देने की तारीख 28.07.2025

मेरा गांव मेरी धरोहर कार्यक्रम

1192. श्री खलीलुर रहमान :

श्री थरानिवेंथन एम. एस. :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) मेरा गांव मेरी धरोहर (एमजीएमडी) कार्यक्रम का ब्यौरा क्या है तथा इसके उद्देश्य क्या हैं;
- (ख) देश भर में विशेषकर पश्चिम बंगाल में कितने गांवों को उक्त कार्यक्रम से जोड़ा जाएगा और इस लक्ष्य को प्राप्त करने की समय-सीमा क्या है;
- (ग) देश में विशेषकर तमिलनाडु में उक्त कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए अब तक आवंटित और संस्थीकृत की गई वित्तीय सहायता का ब्यौरा क्या है;
- (घ) उक्त कार्यक्रम पारंपरिक कला विधाओं, अनुष्ठानों और लोक प्रस्तुतियों सहित अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर का सतत संरक्षण किस प्रकार सुनिश्चित करता है;
- (ङ.) क्या सरकार ने सांस्कृतिक संरक्षण और सामुदायिक भागीदारी के संदर्भ में उक्त कार्यक्रम की सफलता को मापने के लिए कोई आकलन या सर्वेक्षण कराया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (च) उक्त कार्यक्रम की पहुंच को और अधिक गांवों, विशेषकर दूरदराज और वंचित क्षेत्रों में स्थित गांवों तक विस्तारित करने के लिए उठाए गए/उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री  
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): भारत की समृद्ध विरासत को परिरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए संस्कृति मंत्रालय ने राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्रण मिशन (एनएमसीएम) की स्थापना की है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) द्वारा कार्यान्वित इस मिशन का उद्देश्य ग्रामीण

अर्थव्यवस्था को पुनः सुदृढ़ करने के लिए भारत की सांस्कृतिक विरासत और इसकी क्षमता को प्रलेखित करना है।

आजादी का अमृत महोत्सव के एक भाग के रूप में एनएमसीएम ने जून 2023 में 'मेरा गांव मेरी धरोहर (एमजीएमडी)' पोर्टल (<http://mgmd.gov.in/>) की शुरुआत की। इस पहल का उद्देश्य भारत के 6.5 लाख गांवों की सांस्कृतिक विरासत को प्रलेखित करना है। इस समय, 4.5 लाख गांव अपने संबंधित सांस्कृतिक संग्रहों के साथ पोर्टल से प्रत्यक्ष रूप में जुड़े हुए हैं।

एमजीएमडी पोर्टल में मौखिक परम्पराओं, आस्थाओं, रीतिरिवाजों, ऐतिहासिक महत्व, कला रूपों, पारम्परिक भोजन, प्रमुख कलाकारों, मेलों, महोत्सवों, पारम्परिक वेशभूषा, आभूषणों और स्थानीय लैंडमार्क सहित विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक घटक शामिल हैं। इस पोर्टल में भारत के वंचित समुदायों की अभिव्यक्तियां और देश भर की कम ज्ञात परम्पराएं भी शामिल हैं।

एनएमसीएम भारत की सांस्कृतिक विरासत के परिरक्षण और ग्रामीण समुदाय के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मिशन का उद्देश्य सांस्कृतिक परिसम्पत्तियों को प्रलेखित और संवर्धित करके सांस्कृतिक अस्मिता को सुदृढ़ तथा आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करना है।

- (ख): एमजीएमडी कार्यक्रम के अंतर्गत पश्चिम बंगाल राज्य के 41,116 गांवों सहित देशभर में सांस्कृतिक मानचित्रण के लिए लक्षित गांवों की कुल संख्या 6.5 लाख है। अब तक की स्थिति के अनुसार पश्चिम बंगाल के 5917 गांवों का मानचित्रण किया जा चुका है और संबंधित विवरण एमजीएमडी वेब पोर्टल पर अपलोड किया जा चुका है। शेष 35,199 गांव सक्रिय रूप से प्रलेखन प्रक्रिया में हैं।
- (ग): अब तक, तमिलनाडु सहित उक्त कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए राज्यवार कोई भी वित्तीय सहायता आवंटित/संस्वीकृत नहीं की गई है।
- (घ): इस समय 4.5 लाख गांवों को एमजीएमडी पोर्टल पर अपलोड किया जा चुका है। इस डेटा से पारम्परिक कला रूपों, रीति-रिवाजों और लोक प्रस्तुतियों सहित अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के परिरक्षण को चिन्हित और प्रलेखित करने में सहायता मिलेगी।
- (ङ.): जी, नहीं।
- (च): जी, नहीं।

\*\*\*\*\*